खाकी के रसूख में सफ़ेद हाथी बना प्रशासन

सरकारी जमीन पर हेड कांस्टेबल का कब्जा-राज!

तहसीलदार के आदेश को ठेंगा, छुट्टी के दिन लेबर झोंककर खड़ी कर दी बाउंड्री

शहडोल।

मुख्यमंत्री का सख्त निर्देश है कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ बुलडोजर चलेगा, लेकिन शहडोल में तो रक्षक ही भक्षक बन बैठा है। नगर के वार्ड क्रमांक-09, न्यू बरौंधा में खाकी की धौंस और रसूख के दम पर सरकारी जमीन को निगलने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां जैतपुर थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल रवि वर्मा ने प्रशासन की नाक के नीचे बेशकीमती सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की बाउंड्रीवॉल खड़ी कर दी है। हैरत की बात यह है कि राजस्व अमले की मनाही के बावजूद साहब की दबंगई कम होने का नाम नहीं ले रही।

आम निस्तार की जमीन पर प्राइवेट पहरा

न्यू बरौधा स्थित खसरा नंबर 726/1 की कई एकड़ सरकारी जमीन वर्षों से खाली पड़ी थी, जिसका उपयोग स्थानीय नागरिक आम निस्तार और आवागमन के लिए करते थे। लेकिन ब्योहारी थाने में लंबे समय तक जमे रहे और वर्तमान में जैतपुर में पदस्थ हेड कांस्टेबल रवि वर्मा की गिद्ध दृष्टि इस जमीन पर पड़ गई। लगभग 60&80 वर्ग फीट के इस बड़े भूखंड को हड़पने के लिए आरक्षक ने रातों-रात बाउंड्रीवॉल का निर्माण शुरू करवा दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस कब्जे से दर्जनों परिवारों का रास्ता बंद हो जाएगा और वे अपने ही घर में कैद होने को मजबूर होंगे।

मैडम की मौजूदगी में चोरी-छुपे निर्माण

सूत्रों के अनुसार, जब हेड कांस्टेबल ड्यूटी पर होते हैं, तब उनकी पत्नी, जो स्वयं शिक्षा विभाग में सरकारी शिक्षिका के पद पर पदस्थ हैं, मौके पर खड़े होकर निर्माण कार्य की कमान संभालती हैं। एक तरफ पति कानून का रखवाला है और दूसरी तरफ पत्नी भविष्य निर्माता, लेकिन दोनों मिलकर सरकारी संपत्ति को अपना बनाने के अवैध खेल में मशगूल हैं। स्थानीय निवासियों ने जब इसका विरोध किया, तो उन्हें खाकी की धौंस दिखाकर खामोश करने की कोशिश की गई।

तहसीलदार के आदेश की धज्जियां

मामले की शिकायत मिलने पर तहसीलदार राजकुमार रावत और हल्का पटवारी बृजेंद्र मौर्य ने मौके का मुआयना किया था। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से निर्माण कार्य रोकने और सरकारी जमीन पर कब्जा न करने की हिदायत दी थी। लेकिन कानून को अपनी जेब में समझने वाले इस हेड कांस्टेबल ने तहसीलदार के आदेश को ठेंगा दिखा दिया। रविवार और ईद की सरकारी छुट्टियों का फायदा उठाते हुए, जब दफ्तर बंद थे, तब बड़ी संख्या में लेबर लगाकर बाउंड्रीवॉल का काम तेज कर दिया गया। यह सीधे तौर पर प्रशासनिक सत्ता को चुनौती है।

वार्ड 09 में सांठ-गांठ का साम्राज्य

न्यू बरौधा का यह क्षेत्र भू-माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों की साठगांठ का केंद्र बन चुका है। कई एकड़ सरकारी जमीन पहले ही बंदरबांट की भेंट चढ़ चुकी है। अब बची-कुची जमीन पर भी

पुलिसकर्मी जैसे प्रभावशाली लोग हाथ साफ कर रहे हैं। नगर परिषद अध्यक्ष राजन गुप्ता से लेकर एसडीएम और कलेक्टर तक लिखित शिकायतें पहुंच चुकी हैं, लेकिन पुलिसिया रसूख के आगे कार्रवाई की फाइलें कछुआ चाल चल रही हैं।

खाली हो जमीन, दर्ज हो एफआईआर

स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। उनकी मांग है कि तत्काल प्रभाव से अवैध बाउंड्रीवॉल को ध्वस्त किया जाए। सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले हेड कांस्टेबल और उसमें सहयोग करने वाली उनकी शिक्षिका पत्नी पर विभागीय कार्रवाई हो। प्रशासन इस बेशकीमती जमीन पर स्थायी रूप से स्थगन जारी करे ताकि भविष्य में कोई दूसरा माफिया इस पर नजर न डाल सके। जब कानून की रक्षा करने वाली वर्दी ही जमीन हड़पने के औजार के रूप में इस्तेमाल होने लगे, तो आम जनता का भरोसा सिस्टम से उठने लगता है। कलेक्टर और एसपी को इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी चाहिए।

इनका कहना है...

मौके पर पहुंचकर तहसीलदार ने उक्त भूमि पर कोई काम करने से मना किया था, मौका पंचनामा तैयार है, यदि इसके बाद भी वहां काम हो रहा है तो, सोमवार को स्थगन आदेश जारी करा दिया जाएगा।

बृजेन्द्र मौर्य
हल्का पटवारी

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

शहडोल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जनपद पंचायत बुढार के ग्राम बटलीटोला एवं जरवाही में विश्व जल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जल कलश यात्रा से हुई, जिसमें महिलाओं ने सीएसआर के सहयोग से निर्मित पेयजल टंकी से जल भरकर पूरे गांव में शोभायात्रा निकाली। यह यात्रा जल संरक्षण के प्रति सामुदायिक जागरूकता और सहभागिता का प्रतीक बनी। कार्यक्रम में राजकुमार डोलिया ने बताया कि पिछले कई वर्षों से इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। अजय श्रीवास्तव ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'नल-जल योजना' की जानकारी दी तथा समुदाय की भागीदारी को आवश्यक बताया। डॉ. बी.के. प्रजापति ने किसानों को कम पानी में होने वाली फसलों की जानकारी दी और शिशुपाल सिंह ने कृषि एवं आत्मा विभाग की योजनाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन कृषक मित्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सहायक यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखण्ड शहडोल, अजय श्रीवास्तव, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. बी.के. प्रजापति, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी शिशुपाल सिंह राजपूत एवं ग्राम सरपंच सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे हैं विविध कार्यक्रम

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहडोल जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। आयोजित कार्यक्रमों में जन अभियान परिषद के सदस्यों द्वारा अहम भूमिका निभाई जा रही है। इसी कड़ी में जन अभियान परिषद के नवांकुर संस्था जय बजरंग जन विकास समिति भमरहा सेकंड ,सेक्टर भोलहरा क्रमांक (03) विकास खंड ब्यौहारी जिला शहडोल के ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भमरहा मे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्रोत एवं वृक्ष पूजन के क्रम में जन सहभागिता से शोक्ता गड्ढे का निर्माण कराया गया। जिससे जल सरक्षण के साथ साथ गंदगी से निजात मिलेगी। उक्त कार्यक्रम में सुखेंद्र प्रसाद गुप्ता, सामाजिक कार्यकर्ता रामलखन गुप्ता, अन्य ग्रामीण जन,समिति के सदस्य एवं अन्य ग्रामीण जनो ने सुरक्षित जल एवं समृद्ध कल के लिए श्रमदान किया।

शहडोलः जल गंगा अभियान का शव विसर्जित

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के जरिए जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का ढिंढोरा पीट रहे हैं। 30 जून 2026 तक चलने वाले इस अभियान के नाम पर सरकारी मशीनरी कागजों पर कुओं और बावडियों का जीर्णोद्धार कर रही है। सत्ताधारी दल के नेता और सफेदपोश दिग्गज ग्रामीण इलाकों में जाकर जनता को जल संरक्षण की कसमें खिला रहे हैं, लेकिन संभागीय मुख्यालय में ही यह अभियान दम तोड़ चुका है। यहां दिया तले अंधेरा वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।

जिम्मेदारों की आंखों पर पट्टी!

हैरानी की बात यह है कि जिस संभागीय मुख्यालय में खुद कमिश्नर और कलेक्टर बैठते हैं, वहां जिला प्रशासन की नाक के नीचे जल स्रोत कचरा घर बन चुके हैं। चौपाटी के ठीक पीछे स्थित दो ऐतिहासिक तालाब आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं। जिला प्रशासन और नगर पालिका की घोर लापरवाही का आलम यह है कि गंदगी और प्रदूषण के चलते बीते दिनों एक तालाब में मछलियां मर गईं। सड़ती मछलियों की बदबू ने आस-पास के वातावरण को जहरीला बना दिया है, लेकिन एसी कमरों में बैठे साहबों को शायद यह दुर्गंध नहीं पहुंच रही।

रामनवमीं पर राम जानकी मंदिर में तांडव, मूर्तियां खंडित!

दिनदहाड़े मंदिर में घुसकर आरोपी ने तोड़ी मर्यादा, इलाके में भारी तनाव

शहडोल।

जहां पूरा देश रामनवमी के पावन पर्व पर जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान था, वहीं शहडोल के बटुरा गांव में एक दुस्साहसी उपद्रवी ने आस्था के केंद्र पर हमला बोलकर क्षेत्र में सनसनी फैला दी। एनएच-43 के पास स्थित ऐतिहासिक राम जानकी मंदिर में एक युवक ने न केवल मर्यादा पुरुषोत्तम की मूर्तियों को खंडित किया, बल्कि करोड़ों सनातनी हृदय को भी लहूलुहान कर दिया है।

मूर्तियों पर प्रहार

चैत्र नवमी की दोपहर जब श्रद्धालु पूजा-अर्चना में मग्न थे, तभी एक सिरफिरे युवक ने मंदिर का ताला खोलकर गर्भगृह में प्रवेश किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी ने उन्मादी होकर भगवान राम, लक्ष्मण और माता जानकी की प्रतिमाओं के

साथ बर्बरतापूर्ण तोडफ़ोड़ की। स्थानीय लोगों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह हिंसक व्यवहार करता रहा।

पुलिस की घेराबंदी

घटना की भनक लगते ही बटुरा गांव में भारी जनसमूह उमड़ पड़ा और आक्रोश की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही अमलाई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। पुलिस ने अज्ञात उपद्रवी के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। सवाल यह है कि क्या यह किसी सोची-समझी साजिश का हिस्सा है, ग्रामीणों ने दो-टूक चेतावनी दी है कि अगर आरोपी और इसके पीछे के मास्टरमाइंड को जल्द सलाखों के पीछे नहीं भेजा गया, तो आंदोलन उग्र होगा। फिलहाल, पुलिस संदिग्धों की तलाश में दबिश दे रही है।

इनका कहना है...

मंदिर तोडफ़ोड़ की शिकायत पर से वैधानिक कार्यवाही की गई है।

भूपेंद्र मणि पाण्डेय
थाना प्रभारी, अमलाई

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्धः जायसवाल

मंत्री दिलीप जायसवाल ने एस. वी. हॉस्पिटल का किया शुभारंभ

शहडोल।

प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने संभागीय मुख्यालय शहडोल के एस. वी. सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का फीता काटकर शुभारंभ किया। मंत्री दिलीप जायसवाल ने शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के लोगों के लिए बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित हो इसके लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड से लोगो को 5 लाख तक रुपए का निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंभीर बीमार मरीजों को उपचार के लिए कलेक्टर एवं चिकित्सको की अनुशंसा पर पीएम

एयर एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है जिससे मरीज का उपचार समय पर हो और उसकी जान बचाई जा सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि अस्पतालों में मरीज बड़े दुख के साथ आते है उनके दुख को दूर करना और बेहतर उपचार कर उनके चेहरे पर मुस्कान के साथ घर भेजना चिकित्सक का हुनर है, चिकित्सक, धरती के भगवान होते हैं। कार्यक्रम को अध्यक्ष नगर पालिका घनश्याम जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर समाजसेवी अनिल द्विवेदी, रविंद्र तिवारी, रामनारायण शर्मा, डॉ. शिवेंद्र तिवारी विवेक शर्मा सहित एस. वी. सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल का स्टाफ उपस्थित रहा।

जल की एक एक बूंद सहेजना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी: विधायक

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

शहडोल।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद्, विकासखंड गोहपारू के तत्वाधान में शासकीय महाविद्यालय गोहपारू में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जल के बिना जीवन संभव नहीं है, जल बचाने के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 30 जून 2026 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान के तहत कुओं, बावडिय़ों, तालाबों जैसे अन्य जल स्रोतों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी अधिकारी,कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं जनमानस बढ़-चढक़र सहभागिता निभाते हुए जल के एक एक बूंद को बचाने और संरक्षित करने में अपना अमूल्य योगदान दें। जागरूकता कार्यक्रम में विधायक ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं लोगों को जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनरोद्धार हेतु शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में शासकीय महाविद्यालय गोहपारू के प्राचार्य मंगल सिंह,म.प्र. जन अभियान परिषद् गोहपारू के विकासखंड समन्वयक आलोक सोंधीया, समाजसेवी संतोष लोहानी सहित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता सची तिवारी, मुकेश पाठक, प्रवीण दुबे एवं आनंद द्विवेदी, नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि अशोक कुमार अहिरवार, देवेंद्र सिंह, राहुल सिंह (देवेंद्र सिंह), मुकेश केवट तथा बी.एस.डब्ल्यू.ध्एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

पीएनजी गैस कनेक्शन के हैं अनेकों लाभः कलेक्टर

कलेक्टर बंगले पर पीएनजी गैस सेवा शुरू

शहरवासियों को भी मिलेगा राहत का नया विकल्प

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे घरेलू एवं व्यावसायिक उपयोग के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (सिटी गैस) को अपनाएं। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक लगभग 5600 पीएनजी कनेक्शन इंस्टॉलेशन किए जा चुके हैं, जिनमें से 1000 से अधिक उपभोक्ता नियमित रूप से पीएनजी गैस का उपयोग कर रहे हैं। इससे पीएनजी गैस की उपयोगिता और विश्वसनीयता तेजी से बढ़ रही है। पीएनजी गैस का उत्पादन जिले में ही हो रहा है। जिससे गैस की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहेगी। रिलायंश गैस इंडस्ट्री से गैस लेकर विभिन्न कंपनियां पीएनजी

कनेक्शन दे रही हैं।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि पीएनजी गैस पूरी तरह सुरक्षित, सुविधाजनक एवं पर्यावरण के अनुकूल है। इसमें सीधे रसोई तक 24 घंटे गैस की आपूर्ति बनी रहती है, जिससे सिलेंडर बुकिंग और गैस मंगाने की जरूरत नहीं पड़ती। पीएनजी गैस, एलपीजी की तुलना में लगभग 30 से 40 प्रतिशत तक सस्ती है तथा उपभोक्ताओं को मासिक बिल की सुविधा भी मिलती है। पीएनजी गैस के लिए जिले में 09 सर्विस स्टेशन बनाए गए हैं। शहडोल शहर में 03, ब्यौहारी मे 02, बुढ़ार, दियापीपर, बटुरा एवं जयसिंहनगर में 01-01 सर्विस स्टेशन स्थापित किए गए हैं। पीएनजी गैस का व्यायसायिक उपयोग भी किया जा सकता है। जिले में 15 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंटों में कामर्शियल पीएनजी गैस कनेक्शन लिए गए हैं और प्रतिष्ठानों द्वारा लगातार कनेक्शन करवाया जा रहा है।

होटल सूर्या इंटरनेशनल

शहडोल में पीएनजी गैस का शत प्रतिशत उपयोग किया जा रहा है। होटल प्रबंधक ने बताया कि गैस पाईप लाइन से अच्छे प्रेसर के साथ गैस उपलब्ध हो रही है। कलेक्टर ने आम जन से अपील की है कि पीएनजी गैस कनेक्शन लेकर एलपीजी गैस कनेक्शन में नंबर लगाने, सिलेण्डर लेने तथा बीच में ही गैस खतम होने जैसे निर्भरतायें शून्य हो जाती है।

शहडोल शहर ऐसे सभी पीएनजी उपभोक्ता जिनके घरो और प्रतिष्ठानों में पीएनजी (सिटी) गैस की पाइप लाइने पहुंच गई है वे शीघ्र इनका कनेक्शन प्राप्त कर सकते है। पीएनजी गैस के इच्छुक परिवार और प्रतिष्ठान भी नए कनेक्शन (स्टॉलेशन) के लिए भी आवेदन कर सकते है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अपने बंगले में पीएनजी गैस कनेक्शन लिया है। उन्होंने बताया कि पीएनजी गैस अच्छे प्रेसर के साथ प्राप्त हो रही है।

देवरी नंबर-2 में संकीर्तन, आरती व दीपमाला के साथ गूंजा जल संरक्षण का संदेश

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जल शक्ति से ही नव भक्ति कार्यक्रम के तहत विकासखंड गोहपारू के सेक्टर क्रमांक-2 अंतर्गत ग्राम देवरी नंबर-2 में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नवांकुर संस्था वीर सावरकर सेवा समिति के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में संकीर्तन, आरती, दीपमाला एवं देवी गीतों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों एवं समिति सदस्यों ने जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्थानीय जनसमूह की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे पूरे वातावरण

खबर संक्षेप

ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

उमरिया। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग ने बताया कि ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु हैंडपंप संधारण एवं नल जल योजना संचालन, संधारण हेतु जिला अंतर्गत उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका मोबाइल नंबर 9993202477 है। उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम के लिए अनुरूद्ध सिंह उद्दे हैंडपंप टेक्नीशियन कि सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक के लिए तथा संजय बर्मन स्टोर क्लर्क कि दोपहर 2 बजे से सायं 8 बजे तक के लिए लगाई गाई है। अवकाश के दिनों में अनिरुद्ध सिंह उद्दे हैंडपंप टेक्नीशियन को फोन अटेंड कर शिकायत रजिस्टर में संधारित करने हेतु नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर कार्यरत आर के गुप्ता सहायक यंत्री प्रभारी कंट्रोल रूम मोबाइल नंबर 7974203198, हिमांशु जायसवाल उपयंत्री विकासखंड मानपुर पाली मोबाइल नंबर 8109380365 तथा अजय कुमार शर्मा उपयंत्री विकासखंड करकेली मोबाइल नंबर 9131215330 तथा ठेकेदार मेसर्स इंटरनेशनल स्पेशल स्क्योरिटी फोर्स करकेली, मानपुर पाली मोबाइल नंबर 9752291747 से सीधे संपर्क किया जा सकता है ।

जिला कौशल समिति की बैठक आज

उमरिया। जिले में कौशल विकास की विभिन्न योजनाओं में आंवटित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनाओं की मॉनिटरिंग हेतु जिला कौशल समिति की बैठक 23 मार्च टीएल बैठक के बाद आयोजित कि गई है। सर्व संबंधितो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

जैतहरी पुलिस ने 5 वर्ष से फरार 1,93,000 के वसूली वारंटी आरोपी को किया गिरफ्तार

जैतहरी। थाना जैतहरी पुलिस द्वारा वसूली वारंटी के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुटुंब न्यायालय अनूपपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक एमजेसीआर 36/2021, धारा 125 (3) जाफौ के अंतर्गत धौकल सिंह गोंड (पिता दलबीर सिंह गोंड), उम्र 45 वर्ष, निवासी खुंटाटोला, थाना जैतहरी, जिला अनूपपुर (म.प्र.) के विरुद्ध 1,93,000 की वसूली वारंटी जारी की गई थी। आरोपी पिछले लगभग 5 वर्षों से फरार था एवं उसने अपनी पत्नी को उक्त राशि का भुगतान नहीं किया था। थाना जैतहरी पुलिस द्वारा लगातार तलाश करते हुए 22 मार्च को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनूपपुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अमर वर्मा, उपनिरीक्षक जे.पी.एच. तिर्की, सहायक उपनिरीक्षक जयसिंह एवं आरक्षक क्रमांक 312 मनीष सिंह तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

पूरा नगर माता की भक्ति में डूबा

कोतमा। जहां एक ओर पूरा नगर माता की भक्ति में डूबा हुआ नजर आ रहा है। सुबह से ही महिलाएं मंदिरों में पहुंचकर माता को जल चढ़ाने के साथ ही पूजा अर्चना में जुटी हुई है। पूरे नगर में सुबह से देर रात तक माता के जयकारे गूंज रहे हैं। नगर के मंदिरों में कन्या भोज का आयोजन भी किया जा रहा है। रविवार को नगर के पंचायती मंदिर में नेशनल एसोसिएशन वी क्लब ऑफ़ इंडिया कोतमा वी क्लब निस्वार्थ के द्वारा कन्या भोज का आयोजन किया गया।

पवित्र नगरी अमरकंटक का सुहाना मौसम पर्यटकों को कर रहा आकर्षित

अमरकंटक। मध्य प्रदेश की पावन धरा पर स्थित मां नर्मदा जी के उद्गम स्थल, पवित्र नगरी अमरकंटक इन दिनों अपने अद्भुत, मनोहारी और शीतल मौसम के कारण मानो प्रकृति के एक जीवंत चित्र के रूप में खिल उठी है। यहां का सुरम्य वातावरण, हरितिमा से आच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं और मंद-मंद बहती ठंडी हवाएं पर्यटकों, तीर्थयात्रियों एवं श्रद्धालुओं को अपनी ओर सम्मोहित कर रही हैं। अमरकंटक की फिजां में इन दिनों एक विशेष प्रकार की ताजगी और आध्यात्मिक शांति का समावेश महसूस किया जा रहा है।

उमरिया में राशन का महाघोटाला;23 लाख डकार गया भ्रष्ट प्रबंधक

गरीबों के निवाले पर गुलाब का डाका

अंगूठा लगवाकर सात महीने तक गरीबों को भूखा सुलाता रहा सरकारी लुटेरा

उमरिया।

कहते हैं सैंया भए कोतवाल तो अब डर काहे का, जिले के पाली जनपद अंतर्गत कुशमहा खुर्द गांव में कुछ ऐसा ही मंजर देखने को मिला। यहां गरीबों को मिलने वाले मुफ्त राशन की गंगा, हितग्राहियों की थाली तक पहुंचने के बजाय भ्रष्टाचार की नाली में समा गई। शासकीय उचित मूल्य दुकान के तत्कालीन प्रबंधक गुलाब चंद सिंह ने मानवता को शर्मसार करते हुए गरीबों के हक के 23 लाख रुपयों पर सरेआम डाका डाल दिया। अब प्रशासन की नींद खुली है और आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, लेकिन सवाल वही है कि आखिर इन सात महीनों तक तंत्र कहां सोया था।

मशीन को बनाया लूट का जरिया

इस घोटाले की कार्यप्रणाली इतनी शातिर थी कि सुनकर रोंगटे खड़े हो जाएं। आरोपी गुलाब चंद सिंह ने डिजिटल इंडिया के औजार पीओएस मशीन को ही लूट का जरिया बना लिया। जाँच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि प्रबंधक महोदय महीने में केवल एक दिन दर्शन देते थे।

ग्रामीणों को बुलाकर मशीन पर उनके अंगूठे लगवाए जाते, रसीदें काटी जातीं, लेकिन बदले में अनाज के नाम पर उन्हें सिर्फ हवा मिलती थी। हद तो तब हो गई जब कुछ लाचार ग्रामीणों के घर जाकर उनके अंगूठे लगवा लिए गए और उन्हें राशन की एक ढेरी तक नसीब नहीं हुई।

आंकड़ों में भ्रष्टाचार का काला खेल

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी जागृति प्रजापति की जांच ने इस महाघोटाले की परतों को उधेड़ कर रख दिया है। जून 2025 से जनवरी 2026 के बीच जो अनाज गरीबों के चूल्हे जलाने के लिए आया था, उसे प्रबंधक की तिजोरी निगल गई। गेहूं: 162 क्विंटल से अधिक (गायब), चावलः 440 क्विंटल से अधिक (डकार लिया) एवं नमक और शक्कर का भी अता-पता नहीं। कुल 23 लाख 43 हजार 811 रुपये का गबन किया गया। यह महज आंकड़े नहीं, बल्कि उन सैकड़ों परिवारों की भूख है, जिन्हें शासन ने अंत्योदय और बीपीएल श्रेणी में रखकर मदद का हाथ बढ़ाया था, जिसे एक भ्रष्ट अधिकारी ने बीच रास्ते में ही मरोड़ दिया।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

यह पूरा मामला तब तक दबा रहा जब तक कि कुशमहा खुर्द के ग्रामीणों के सब्र का बांध नहीं टूट गया। बार-बार खाली हाथ लौटने और पेट की आग ने ग्रामीणों को एकजुट किया और खाद्य विभाग के दरवाजे खटखटाए। जांच में आरोपों की पुष्टि होते ही विभाग में हडक़ंप मच गया। तत्काल कार्रवाई करते हुए दुकान को निलंबित कर दिया गया है और आरोपी गुलाब चंद नापित के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस की गिरफ्त से बाहर लुटेरा

मामला दर्ज हुए वक्त बीत रहा है, लेकिन सफेदपोशों की शह पर फल-फूल रहा यह आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से दूर है। पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा का कहना है कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी सलाखों के पीछे होगा, लेकिन जनता पूछ रही है कि 23 लाख का गबन करने वाला यह छोटा सिपाही क्या अकेले इस खेल को अंजाम दे रहा था या इस लूट की मलाई ऊपर तक भी पहुंची है। कुशमहा खुर्द का यह मामला केवल एक दुकान का नहीं, बल्कि उस पूरी व्यवस्था पर तमाचा है, जो गरीबों के कल्याण का दावा करती है। अगर राशन माफियाओं पर नकेल नहीं कसी गई, तो गरीब कल्याण की योजनाएं सिर्फ फाइलों और पीओएस मशीनों के रसीदों तक ही सिमट कर रह जाएंगी।

नवांकुर पैगाम फाउंडेशन ने नगर वन तालाब से किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

उमरिया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उमरिया जिले के नगर वन तालाब खलेसर नाका में जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत आगाज हुआ। इस अवसर पर नगर वन तालाब के तट पर जिला नवांकुर संस्था पैगाम फाउंडेशन एवं नगरपालिका द्वारा जल संरक्षण की दिशा में प्लास्टिक,पॉलीथिन एकत्र कर साफ-सफाई का कर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवधि में नवांकुर पैगाम फाउंडेशन से जुड़े समस्त प्रस्फुटन समितियों, जनप्रतिनिधियो,प्रशासन के साथ मिलकर शहर से गांव-गांव तक जल संग्रहण से जुड़ी सभी संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन और सुदृढ़ीकरण पर व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा।पैगाम फाउंडेशन के अध्यक्ष ने बताया है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य हमारी जीवनदायिनी नदियों, तालाबों, प्राचीन जल संरचनाओं और जल स्रोतों का संरक्षण व पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है।जल संरक्षण के इस महायज्ञ में सहभागिता कर हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव रख रहे हैं।इस प्रयास से हमारे मध्यप्रदेश,हमारे जिले तथा हमसे जुड़े गांवों को जल संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की पंक्ति में स्थापित होगा।इस अवसर पर सीएमओ नगरपालिका किशन सिंह,उपयंत्री देव कुमार गुप्ता, अखिलेश सिंह, निशांत, पैगाम फाउंडेशन से योगेश खंडेलवाल,ललित चौधरी, सुधांशु सिंह सहित अधिकारी एवं कर्मचारी गण का सराहनीय योगदान रहा।

बाघों की किडनी पर सिस्टम का प्रहार

पिकनिक स्पॉट बना बांधवगढ़!

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियां
मोबाइल में मस्त अधिकारी और 500 का मजाक

उमरिया/ताला।

विश्व विख्यात बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व इन दिनों वन्यजीव संरक्षण के लिए नहीं, बल्कि नियमों की खुलेआम हो रही धज्जियां उड़ाने के लिए सुर्खियों में है। जिस कोर जोन में परिंदा भी पर नहीं मार सकता, वहां अब जंगल के राजा का रास्ता रोककर इंसानी हुजूम पिकनिक मना रहा है। विडंबना देखिए, जिन कंधों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वही अधिकारी वन्यजीवों की मौत का तमाशा देख रहे हैं और मोबाइल की स्क्रीन में रील देखने या चैट करने में मशगूल हैं।

बाघों का रास्ता जाम, साहब ऑनलाइन व्यस्त!

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, टाइगर साइटिंग के दौरान कोर जोन की स्थिति किसी शहर के व्यस्त चौराहे जैसी हो जाती है। दर्जनों जिप्सियां एक साथ खड़ी होकर बाघों का रास्ता इस कदर रोक देती हैं कि वन्यजीव तनाव में आ जाते हैं। ताज्जुब की बात यह है कि यह सब कुछ उन अधिकारियों की मौजूदगी में होता है, जिन्हें व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए। आरोप है कि अधिकारी खुद ड्यूटी के दौरान प्रतिबंधित मोबाइल फोन का धड़ल्ले से उपयोग कर रहे हैं। इतना ही नहीं, हाथियों के जरिए बाघों को जबरन उनके प्राकृतिक आवास से बाहर निकाल कर पर्यटकों को दिखाया जाता है। क्या यह वन्यजीवों के साथ क्रूरता नहीं है?

500 का जुर्माना या भ्रष्टाचार का लाइसेंस

सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश हैं कि कोर जोन में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, लेकिन बांधवगढ़ प्रबंधन ने कानून को खिलौना बना लिया है। मोबाइल ले जाना और उपयोग करना सख्त प्रतिबंधित है। अधिकारी और रसूखदार पर्यटक धड़ल्ले से व्हाट्सएप ग्रुपों के जरिए साइटिंग की लोकेशन साझा कर रहे हैं। जब कोई मामला तूल पकड़ता है, तो महज 500 का मामूली जुर्माना ठोककर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। पर्यटकों और वन्यजीव प्रेमियों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि आम आदमी पर कड़े नियम थोपने वाला विभाग, मोबाइल चलाने वाले अपने ही अधिकारियों पर मेहरबान क्यों है? क्या 500 का जुर्माना सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की भरपाई कर सकता है?

व्हाट्सएप पर लाइव शिकार की लोकेशन

गंभीर आरोप यह भी हैं कि पर्यटन अधिकारी और गाइड व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से रीयल-टाइम लोकेशन साझा करते हैं, ताकि वाहनों की भीड़ एक जगह जमा हो सके। इसकी चैट और स्क्रीनशॉट्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जो सीधे तौर पर सुरक्षा में बड़ी चूक की ओर इशारा करते हैं। अगर वक्त रहते इस जंगलराज पर लगाम नहीं कसी गई, तो बांधवगढ़ से बाघों का नामोनिशान मिटने में देर नहीं लगेगी। अब देखना यह है कि उच्चाधिकारी इस अव्यवस्था पर केवल फाइलों में कार्रवाई करते हैं या धरातल पर कुछ बदलाव दिखेगा।

गायत्री परिवार जिला समन्वयक समिति का गठन अनूपपुर में सक्रिय कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारियां

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

अखिल विश्व गायत्री परिवार के संगठनात्मक विस्तार एवं जनजागरण अभियानों को गति देने के उद्देश्य से अनूपपुर जिले में जिला समन्वयक समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में बैठक आयोजित कर विभिन्न जिम्मेदारियों का वितरण किया गया तथा आगामी सामाजिक एवं जनजागरण अभियानों की रूपरेखा तय की गई। बैठक में संगठन विस्तार, गायत्री चेतना केंद्रों की गतिविधियों को मजबूत करने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपने पर सहमति बनी। इस दौरान संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने कहा कि गायत्री परिवार केवल आध्यात्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में नैतिकता, संस्कार, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति जैसे विषयों पर भी लगातार कार्य करता रहा है। उपजोन समन्वयक जे. पी. सिंह एवं सह समन्वयक सी. आर. अहिरवार की उपस्थिति में संतोष सोनी को अनूपपुर जिले का जिला समन्वयक मनोनीत किया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि जिले में संगठन को मजबूत बनाने के लिए ग्राम स्तर तक सक्रिय टीम तैयार की जाएगी, जो विभिन्न सामाजिक अभियानों को गति देगी। बैठक के दौरान गोष्ठी में उपस्थित लगभग चार दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं के बीच विभिन्न विषयों से जुड़े अभियानों के लिए प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी दी गई। इनमें नारी जागरण अभियान, युवा चेतना अभियान, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, शिक्षा एवं बाल संस्कार शाला, स्वच्छता अभियान, नशा उन्मूलन तथा सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर अलग-अलग कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के बीच कई प्रकार के फलदार एवं अन्य पौधों का वितरण भी किया गया तथा सभी को पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। नवनिर्वाचित जिला समन्वयक संतोष सोनी ने कहा कि गायत्री परिवार के माध्यम से जिले में आध्यात्मिक जागरण के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी मजबूत किया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें और संगठन की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाएं। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने भी संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने आगामी दिनों में विभिन्न जनजागरण अभियानों को प्रभावी रूप से संचालित करने का निर्णय लिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रैली का किया गया आयोजन

उमरिया।

जिला समन्वयक जन अभियान परिषद रविन्द्र शुक्ला ने बताया कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड करकेली व्दारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत रैली का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय से किया गया एवं दीवार लेखन एवं जन जागरूकता अभियान चलाया गया। रैली के माध्यम से लोगो को जल को संरक्षित करने की जानकारी प्रदाय की गई तथा अपील करते हुए कहा गया कि प्रदेश शासन व्दारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता दर्ज कराते हुए जल को संग्रहित करें । इस अ

श्री चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय अमरकंटक में चौथे रविवार को भी निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में जनस्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल के अंतर्गत चौथे रविवार को चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय, अमरकंटक में निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह चिकित्सालय श्री कल्याण सेवा आश्रम द्वारा संचालित है, जो क्षेत्र में निरंतर सेवा और मानव कल्याण के कार्यों में संलग्न है। इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच एवं उपचार किया जाएगा। अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. वैभव कौशिक द्वारा हड्डी एवं जोड़ संबंधी समस्याओं का परीक्षण किया जाएगा, जिनके अंतर्गत अब तक 30 मरीजों का पंजीयन हो चुका है। वहीं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीता बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु उपस्थित रहेंगी, जिनके अंतर्गत 15 बच्चों के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त डॉ. अविकेशा साहू, डॉ. चन्द्रभूषण, डॉ. बलदेव, डॉ. संतोष तिवारी सहित अन्य चिकित्सक भी विभिन्न रोगों के निदान एवं परामर्श हेतु अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर में सामान्य रोगों के साथ-साथ अस्थि एवं शिशु रोगों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिससे प्रत्येक आयु वर्ग के मरीज लाभान्वित हो सकें। शिविर के सफल संचालन में राजेश तिवारी, दीपक चंद्रवंशी, राम स्नेही सेन एवं सहयोगी साहिल की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी, जो पंजीयन एवं व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करेंगे। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस शिविर में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए श्री कल्याण सेवा आश्रम द्वारा निःशुल्क भोजन की व्यवस्था

गर्मी का मौसम शुरू होते ही बढ़ी देसी फ्रिज की मांग बाजार में खूब बिक रहे मिट्टी के घड़े, युवा भी कर रहे पसंद

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र में गर्मी का मौसम शुरु हो गया है। मौसम के इस बदले मिजाज संग तालमेल बिठाने के लिए सेहत का ठीक होना जरूरी है। ऐसे में इस भीषण गर्मी में शरीर को ठंडक प्रदान करने के लिए मिट्टी के घड़े को पसंद किया जा रहा है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही बढ़ी देसी फ्रिज की मांग-बाजार में खूब बिक रहे मिट्टी के घड़े गर्मी बढ़ते ही देसी फ्रीज यानी मिट्टी के घड़े और सुराही की मांग बढ़ गई है। गर्मी की तपिश से गला तर करने के लिए लोग मिट्टी के घड़े और सुराही की खरीदारी कर रहे हैं। इस वजह से घड़ा लोगों की पहली पसंद बन गया है। बाजार में मिट्टी के घड़े खूब बिक रहे हैं। गर्मी के दिनों में काफी लोग फ्रिज का पानी पीने की बजाय मटके का पानी पीना ज्यादा पसंद करते हैं। घड़े में एक तो मिट्टी का सोंधापन होता है, दूसरे उसके पानी की तासीर अलग होती है।

युवाओं की देसी फ्रीज में बढ़ रही रूचि

मटके का पानी गला भी खराब नहीं करता। मिट्टी से बने बर्तनों को खरीदने के लिए ज्यादातर युवाओं की भीड़ देखने को मिल रही है। नगर में रविवार को साप्ताहिक बाजार होने के कारण नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र के बड़े बुजुर्ग महिलाएं युवा वर्ग मिट्टी के घड़े की दुकान में घड़ा एवं सुराही खरीदते नजर आए। बड़ा घड़ा 30 लीटर 250 रुपये प्रति पीस, मीडियम घड़ा 20 लीटर 170 और 200 रुपये प्रति पीस, छोटा घड़ा 10 लीटर 100 रुपये प्रति पीस, सुराही 6 लीटर 150 रुपये, वाटर बोतल 120 से 150 रुपये में बाजार में उपलब्ध है।

खबर संक्षेप

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्याऊ का शुभारंभ

उमरियापान। हिंदू नववर्ष से प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत धरवारा सेक्टर की नवांकुर संस्था प्रयास सेवा संगठन इमलिया द्वारा स्लीमनाबाद से स्टेशन एवं उमरियापान मार्ग पर राहगीरों के लिए निःशुल्क प्याऊ खोला। प्याऊ का शुभारंभ जन अभियान परिषद ढीमरखेड़ा की विकासखंड समन्वयक बबीता शाह एवं अक्षिदा तिवारी ने गंगा पूजन एवं लोगों को गुड़ चना खिलाकर किया। इस दौरान उपस्थित जनों ने जल संरक्षण एवं सेवा भाव का संदेश भी दिया। सेक्टर प्रभारी कोदुलाल हल्दकार ने बताया कि भीषण गर्मी के दिनों में यह प्याऊ राहगीरों को ठंडा एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगा, जिससे आमजन को राहत मिलेगी।इस दौरान सुनील तिवारी, संजय जैन, सरपंच विजय अग्रवाल, परामर्शदाता सुमित सिंह, अश्विनी चौबे, संदीप हल्दकार, जुगल किशोर गर्ग, केडी दुबे, संतकुमार हल्दकार, बाला प्रसाद हल्दकार, राजेश सिंह, धर्मेन्द्र सिंह एवं सुयश तिवारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संभाग स्तरीय प्रतियोगिता

कटनी। शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन एवं क्रीड़ा अधिकारी नागेन्द्र यादव के निर्देशन में महाविद्यालय के दो अधिकारी मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु जबलपुर पहुंचे। यह प्रतियोगिता प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय, जबलपुर में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में डॉ. अर्पित द्विवेदी, सहायक प्राध्यापक (गणित) ने शतरंज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा विजेता बने। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से वे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हो गए हैं। इसी प्रकार पंकज सेन, ग्रंथपाल ने टेबिल टेनिस प्रतियोगिता में उप-विजेता का स्थान प्राप्त किया। दोनों ने जिला स्तर पर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। महाविद्यालय परिवार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों को बधाई दी।

जनगणना समन्वय समिति की बैठक आज

कटनी। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी आशीष तिवारी की अध्यक्षता में रजिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक 23 मार्च को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक के साथ ही आयोजित की गई है। जिला जनगणना अधिकारी ने बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी एवं जिला योजना सांख्यिकी अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण को उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को मिली विचारधारा और तकनीक की जानकारी

उमरियापान भाजपा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत उमरियापान में दो दिवसीय मंडल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं का वैचारिक सशक्तीकरण एवं संगठनात्मक मजबूती रहा।
इस दौरान मुख्य वक्ता मंडल प्रभारी सुरेश राय, पूर्व जिला मंत्री विजय दुबे, विजय गुप्ता, जिला मंत्री प्रशांत राय, पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजेश चौरसिया, ललित जायसवाल, संदीप सोनी एवं आयुष पाण्डेय ने संगठनात्मक कार्यपद्धति की बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुशासन एवं नियमित संवाद को संगठन की रीढ़ बताया।वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त विचारधारा है।

प्रदेश सरकार की जल गंगा संवर्धन अभियान को लगातार गति दे रहे जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता

हाथ में फावड़ा उठाकर प्राचीन सगरा तालाब को साफ करने का लिया संकल्प जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला,ब्लॉक समन्वयक श्रीमती पुष्पा तेकाम की उपस्थिति में आज पाली नगर के ऐतिहासिक सगरा तालाब में जल गंगा संबर्धन अभियान को लेकर तालाब में स्वच्छता एवम साफ सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बिरसिंहपुर पाली

जब कि निरंतर चैत्र नवरात्र के दृष्टिगत बिरासनी माता मंदिर प्रांगण में सेवा,सहयोग के माध्यम से हर दिन श्रमदान करने का कार्य जन अभियान परिषद द्वारा लगातार किया जा रहा है।*जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन जागरूकता*इस कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन जागरूकता किया गया और लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के समापन के बाद संगोष्ठी कार्यक्रम कर आगामी कार्य योजना की रूप रेखा तैयार की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वच्छता के प्रति शपथ ली और अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें स्वच्छता के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम के परिणामस्वरूप लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी और उन्होंने अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। गया। इस कार्यक्रम के बाद आगामी कार्य योजना तैयार की गई, जिसमें लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करने और उन्हें स्वच्छता के लिए प्रेरित करने के लिए और अधिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक श्री रवींद्र शुक्ला विकासखंड समन्वयक श्रीमती पुष्पा टेकाम,परामर्शदाता संजय साहू, कौशलेश सूर्यवंशी,श्रीमती अर्चना मिश्रा, श्रीमती उषा प्रजापति,सुशील द्विवेदी,सीएम इंटर्न प्रवीण तिवारी, नवांकुर संस्था की अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा विश्वकर्मा, श्रीमती अनीता सिंह, श्रीमती माया उपाध्याय,पुष्पेंद्र सिंह एवं सीएम.सीएल.डीपी. के सैकफो छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

हजारों श्रद्धालुओं ने लिया भंडारा में प्रसाद तन की तपिश मिटाने पहुंचते हैं श्रद्धालु

बिरसिंहपुर पाली

बंसतीय नवरात्रि में धीरू भैया के निवास पर चल रहें नौ दिवसीय अखंड भंडारा में हर दिन हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर अपने तन की तपिश मिटा रहे हैं। मालुम होवे की बिरसिंहपुर पाली नगर में विराजित कल्चुरी कालीन महिषासुर मर्दिनी ,आदम कद अष्ट भुजी आदि शक्ति की दुर्लभ प्रतिमा जो कि बिरासनी माता के नाम से जगत भर में प्रसिद्ध है, यहाँ पर वैसे तो साल भर माता के भक्तों का आना लगा रहता है, लेकिन नवरात्रि के नौ दिनों में हजारों श्रद्धालुओं का माता के दरबार में पहुचने का कीर्तिमान बना हुआ है। माता के दरबार में पहुंचने वाले प्रेमी भक्तों को दृष्टि गत रखते हुए बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन के एक दम करीब पर विशाल भंडारा का आयोजन नगर के कीर्तिमान धीरेन्द्र शर्मा के द्वारा रखा गया है। इस भंडारा स्थल पर पहुंच कर श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर अपनी भूख और प्यास बुझाते है । धीरेन्द्र शर्मा जी के व्दारा आयोजित इस भंडारा में हर दिन अलग अलग प्रसाद का वितरण कराया जाता है। व्रत के दिनों में फलाहार की व्यवस्था रहती है। दुधाहारी बच्चों के लिए दुध की व्यवस्था बनी हुई है। भंडारा के इस आयोजन में गणमान्य नागरिक पहुंच कर धीरू भैया का हौंसला अफजाई करते देखें जाते हैं। नगर के वयोवृद्ध रामकुमार उपाध्याय, और व्दारिका शुक्ला जी हर दिन पहुंच कर संचालित भंडारे में अपना समय देते हैं रहे हैं। श्री उपाध्याय जी जो कि शर्मा परिवार से डाक्टर साहब के समय से जुड़े हुए हैं का कहना है कि भंडारा सनातन धर्म की परंपरा है की हमारे गाँव में आया हुआ भक्त जन को सहजता से प्रसाद और ठंडा जल मिल जाये तो उसकी तपन शांत हो जाती है। धीरू भैया तो सदैव धर्माथ कार्यों को आगे बढाते है। यह भंडारा उनमें से एक है।आज भंडारा के साथ सुन्दर कांड का पाठनवरात्रि में चल रहे अखंड भंडारा के लिए साथ ही आज शाम सुन्दर कांड का पाठ किया जायेगा। सुन्दर कांड के पाठ के लिए राजस्थान से प्रसिद्ध सुन्दर कांड पाढियो की टीम के द्वारा संगीत मय पाठ किया जायेगा। इस आयोजन में नागरिकों, भक्तों से पहुचने की अपील करते हुए धीरू भैया ने बताया की नगर के लोग अधिकाधिक संख्या में पहुंच कर इस अवसर का लाभ उठाये।

किसानों का सब्र टूटा: उमरिया में भारतीय किसान संघ का हाईवे जाम का ऐलान

42 गांव उतरेंगे सड़क परज्ञापन और स्मरण पत्रों के बाद भी कार्रवाई नहीं, प्रशासन पर अनदेखी के आरोप अनिश्चितकालीन 'घेरा डालो, डेरा डालो' आंदोलन की चेतावनी

उमरिया। जिले में किसानों की समस्याओं को लेकर अब माहौल गरमाने लगा है। भारतीय किसान संघ ने प्रशासन की लगातार अनदेखी से नाराज होकर आंदोलन का रास्ता चुन लिया है। संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो शहडोल-घुनघुटी हाईवे को पूरी तरह जाम कर दिया जाएगा।भारतीय किसान संघ जिला अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल के नेतृत्व में कई बार कलेक्टर उमरिया को विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद प्रथम स्मरण पत्र कलेक्टर को और द्वितीय स्मरण पत्र आयुक्त शहडोल संभाग को दिया गया, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई।संघ का आरोप है कि प्रशासन किसानों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह उदासीन बना हुआ है। एक ओर जहां प्रदेश सरकार किसानों के हित में योजनाओं और घोषणाओं की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उमरिया जिला प्रशासन इन समस्याओं से आंखें मूंदे बैठा है।किसान संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि कई बार प्रशासन से चर्चा और बैठक के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन हर बार उन्हें नजरअंदाज किया गया। इससे किसानों में गहरा आक्रोश है।हाईवे जाम और अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनीभारतीय किसान संघ ने ऐलान किया है कि अब "घेरा डालो, डेरा डालो" आंदोलन के तहत शहडोल-घुनघुटी हाईवे को पूरी तरह बंद किया जाएगा। इस आंदोलन में 42 गांवों के किसान शामिल होंगे, जो सड़क पर ही रहकर खाना-पीना और डेरा डालेंगे।संघ ने साफ कर दिया है कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक किसानों की मांगें पूरी नहीं हो जातीं। आंदोलन के दौरान किसी भी प्रकार की स्थिति के लिए पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।प्रशासन पर गंभीर आरोपकिसान संघ ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी किसानों की समस्याएं सुनने के बजाय ठेकेदारों और कंपनियों को खुश करने में लगे हैं। विभागों के अधिकारी कंपनी एवं ठेकदार से मिले हुए है, यही कारण है कि बार-बार अवगत कराने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा।भारतीय किसान संघ ने स्पष्ट किया है कि देश के सबसे बड़े संगठन में से है, जिले के सभी ग्रामों में किसानों की समितियां हैं, किसानों को कमजोर समझना शासन की भूल है, किसान खेत में कार्य करता है तो उसे खेत में ही कार्य करने दे, प्रशासन किसानों को रोड में आने के लिए मजबूर ना करें, किसान अगर पूरे विश्व का पेट भरना जानता है तो अपने अधिकारियों के लिए लड़ना भी जानता है ।

बाघन्नारा में बिजली की जंग में फतह के बाद सांस चिनकी के लिए संघर्ष जारी आदिवासियों के हक की लड़ाई लडेंगी

बिरसिंहपुर पाल उमरिया

जिले के पाली विकास खंड के बिजली विहीन गाँवों में बिजली पहुचाने की जंग कांग्रेस ने छेड दी है, जिसके मांग के अनुरूप चांद पुर ग्राम पंचायत के बाघन्नारा गाँव में बिजली की बाधा लगभग दूर हो गयी है और वन विभाग ने अहम शर्तों के साथ अनापत्ति जारी कर दी है, जिसके लिए ब्लाक कांग्रेस ने प्रशासन की इस कार्यवाही की सराहना की है। नव नियुक्त ब्लाक काग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा ने बताया की इक्कीसवीं सदी में भी जब बिजली मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है, तब भी पाली विकास खंड के आदिवासी गाँव आज भी घुप अंधेरे में समाये हुये हैं। इन गांवों में चांद पुर ग्राम पंचायत की बैगा आबादी वाला बाघन्नारा, घुनघुटी ग्राम पंचायत की गांधी ग्राम, और कठई ग्राम पंचायत की बैगा ग्राम चिनकी और सांस में बिजली सुविधा से अछूते है। जिसके लिए ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा ने बताया की इन गांवों में बिजली पहुचाने के लिए ज्ञापन देकर बिजली सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गयी थी, प्रशासन ने इस ज्ञापन पर गौर करते हुए बाघन्नारा गाँव में बाधा बनी वन विभाग की अनापत्ति को दूर कर लिया है, जहाँ पर शीघ्र ही बिजली पहुचाने का काम शुरू हो जायेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया की संगठन की अगली पहल चिनकी और सांस ग्रामों में बिजली पहुचाने का लक्ष्य रखा है, और इसके लिए ब्लाक कांग्रेस ने प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर इन गांवों में बिजली पहुचाने का अनुरोध किया है, अपेक्षा है कि प्रशासन इन मांगों पर मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए बिजली पहुचाने का काम करेंगी । कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष रवि मिश्रा ने बताया की अगर इन गांवों में बिजली पहुचने मे हीला हवाली होती है तो कांग्रेस अब इसे बर्दाश्त नहीं करेंगी और इसके लिए व्यापक स्तर पर आंदोलन कर ग्रामीणों की लड़ाई कांग्रेस लडेंगी। रवि मिश्रा ने कहा कि यह कितना दुर्भाग्य जनक है की देश की सरकार आदिवासियों के हितों के लिए कटिबद्ध है, लेकिन आज गाँव के गाँव अंधेरे में जीवन व्यतीत करने के लिए मजबूर हैं। आदिवासियों के साथ हो रहें इस अत्याचार के विरूद्ध चरण बद्ध आंदोलन छेड कर उनके हक की लड़ाई लडेंगी

भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन ने भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन प्रशिक्षण का किया आयोजन

उमरिया

आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार तथा कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में , राहत शाखा ओईसी संयुक्त कलेक्टर श्रीमती रीता डहेरिया एवं जिला सेनानी होमगार्ड उमरिया के नेतृत्व में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं होमगार्ड, उमरिया के द्वारा दो दिवसीयर मध्य प्रदेश में भूकंप पर आपदा से निपटने हेतु क्षमता वर्धन कार्यक्रमर का आयोजन दिनांक 19.03.2026 से 20.03.2026 तक किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में प्रथम लेक्चर प्लाटून कमांडर राहुल कुमार साहू के द्वारा लिया गया जिसमें

आपदा प्रबन्धन अधिनियम 2005, भूकंप आने का कारण बचाव, उपाय के बारे में बताया गया। जिसमें कॉलेप्स स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।द्वितीय लेक्चर जिला जेल अधीक्षक देवेंद्र सारस ने बेसिक लाइफ सपोर्ट सीपीआर तथा भूकंप आपदा के दौरान विक्टिम को प्रदाय किए जाने वाले प्राथमिक उपचार के बारे में बताया।द संजय गांधी ताप विद्युत गृह के फायर ऑफिसर अशोक गुप्ता के द्वारा भूकंप के दौरान लगने वाली आग के बारे में बताया गया तथा डेमो करके दिखाया गया अंत में आपदा के दौरान भीड़ नियंत्रण की विषय में व्याख्यान सूबेदार शरद श्रीवास्तव के द्वारा किया गया जिसमें आपदा के दौरान भीड़ को कैसे नियंत्रित करना है के संबंध में जानकारी दी गई। द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण कार्यक्रम में समस्त एनजीओ व सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले समाजसेवियों व प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया ।इस दौरान हरिशंकर झरिया ,मान सिंह, बृजेश शर्मा,नितिन बशानी,हिमांशु तिवारी,सोनम सोनी, राहुल सिंह, साक्षी रैदास, महक सोनी, संजना केवट व सैकड़ो की संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस पर ग्राम बटली टोला में जल संरक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन
जल संरक्षण की दिशा में रिलायंस सीबीएम सीएसआर की जनभागीदारी से की जा रही सराहनीय पहल

बुढार।

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण के पुनीत उद्देश्य से जनपद पंचायत क्षेत्रांतर्गत ग्राम बटलीटोला(जरवाही) में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रिलायंस सीबीएम प्रोजेक्ट के सी.एस.आर. विभाग द्वारा विश्व जल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता निभाई, जिसमें महिलाओं की विशेष भागीदारी रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ भव्य जल कलश यात्रा से की गई, जिसमें 70 से अधिक महिलाओं ने सीएसआर के सहयोग से निर्मित पेयजल टंकी से जल भरकर ग्राम में शोभायात्रा निकाली जो विभिन्न मार्गो से होते हुए वापस कार्यक्रम स्थल तक पहुंचीं। यह यात्रा जल संरक्षण के प्रति सामुदायिक जागरूकता और सहभागिता का अनुपमेय प्रतीक रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया गया, जिसके पश्चात महिला समूहों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी अजय श्रीवास्तव रहे जबकि

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. बी.के. प्रजापति, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी शिशुपाल सिंह राजपूत एवं ग्राम पंचायत सरपंच की विशिष्ट उपस्थिति रही।

विश्व जल दिवस पर सीएसआर के जल विषयक प्रमुख राजकुमार डोलिया ने सीएसआर द्वारा जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे विभिन्न कार्यों एवं विश्व जल दिवस मनाने के उद्देश्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पिछले 5-6 वर्षों से विभिन्न गांवों में इस प्रकार के आयोजन किए जा रहे हैं, जिससे जल संरक्षण के प्रति लोगों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। पी.एच.ई. विभाग के अजय श्रीवास्तव ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'नल-जल योजना' की जानकारी देते हुए बताया कि-हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए नागरिको की भागीदारी और सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। वहीं डॉ. बी.के. प्रजापति ने किसानों को कम पानी में होने वाली फसलों के बारे में जानकारी दी, जबकि कृषि विस्तार अधिकारी शिशुपाल सिंह ने कृषि एवं आत्मा विभाग की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन कृषक मित्रों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही सीएसआर के सहयोग से हाल ही में मरम्मत एवं जीर्णोद्धार किए गए विद्यालय भवन का फीता काटकर लोकार्पण भी किया गया। ग्राम पंचायत सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने उद्बोधन में सीबीएम सीएसआर द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों, विशेषकर जल संरक्षण एवं पेयजल सुविधाओं के क्षेत्र में किए गए प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन बीरेंद्र द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन डॉ समीम ने किया। इस सफल आयोजन में सीएसआर टीम के अजय पांडेय, अभिलाष तिवारी एवं अश्वनी शर्मा का विशेष सहयोग रहा, वहीं स्थानीय कार्यकर्ता संजीत केवट, लीलमन, नितिन, शुभम, प्रदीप की कार्यक्रम में सहभागिता रही। यह आयोजन न केवल जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि नागरिकों में जल के सतत एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति सामूहिक संकल्प को भी मजबूत किया।

अनूपपुर की सियासत में उबाल

संगठन विस्तार के बहाने क्या बदलेंगे चेहरे, भाजपा में मंथन तेज

मध्यप्रदेश के अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठन में किए गए नए फेरबदल और नियुक्तियों के बाद यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि आगामी चुनाव में पार्टी नया चेहरा उतारेगी या फिर पुराने नेतृत्व पर ही भरोसा जताएगी। सियासी गलियारों में यह सवाल अब सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

अनूपपुर की राजनीति एक बार फिर उबाल पर है। संगठनात्मक स्तर पर हाल ही में हुए बदलावों ने न केवल कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरी है, बल्कि टिकट को लेकर अटकलों का दौर भी तेज कर दिया है अनुसूचित जनजाति मोर्चा में नई नियुक्तियों के तहत अमोल सिंह मार्को को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद राजनीतिक समीकरणों में हलचल और बढ़ गई है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह टेकाम की अनुशंसा और शीर्ष नेतृत्व की सहमति से हुई है, जिसे भाजपा की दूरगामी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह सिर्फ संगठन विस्तार नहीं, बल्कि संभावित नए नेतृत्व को तैयार करने की कवायद भी है। पार्टी एक तरफ जमीनी पकड़ मजबूत कर रही है, तो दूसरी तरफ नए विकल्प भी तलाश रही है। इस बीच जनता के बीच भी यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या इस बार भाजपा बदलाव का दांव खेलेगी या फिर पुराने भरोसे को ही कायम रखेगी।

संगठन मजबूत, टिकट पर सस्पेंस

भाजपा द्वारा किए गए हालिया संगठनात्मक बदलावों को महज औपचारिक नहीं माना जा रहा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम चुनावी तैयारी का हिस्सा है, जहां पार्टी एक मजबूत संगठन के साथ-साथ संभावित उम्मीदवारों की सूची भी तैयार कर रही है। टिकट को लेकर फिलहाल स्थिति साफ नहीं है, लेकिन अंदरखाने चर्चाएं तेज हैं।

नेता दिखते हैं, लेकिन कब?

ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में जनता के बीच एक सवाल तेजी से उभर रहा है कि नेता सिर्फ चुनाव के समय ही क्यों नजर आते हैं? लोगों का कहना है कि कई पुराने चेहरे अब जमीनी स्तर से दूर होते जा रहे हैं और उनकी सक्रियता सिर्फ कार्यक्रमों और सोशल मीडिया तक सीमित रह गई है।

पुराने चेहरे बनाम नई उम्मीद

हालांकि पुराने नेताओं का जनाधार अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन युवा मतदाता अब बदलाव की ओर झुकता दिख रहा है। युवाओं की मांग है कि उन्हें ऐसा नेतृत्व मिले जो हर समय उपलब्ध हो, न कि केवल चुनावी मौसम में सक्रिय हो।

भाजपा की 'दोहरी रणनीति

सूत्रों के मुताबिक भाजपा इस समय तीन स्तरों पर काम कर रही है संगठन को मजबूत करना, नए चेहरों को तैयार करना, और अंतिम समय में रणनीतिक निर्णय लेना, यानी पार्टी अभी अपने पत्ते खोलने के मूड में नहीं है, लेकिन तैयारी पूरी गति से चल रही है।

नियुक्ति से बढ़ा सियासी तापमान

अमोल सिंह मार्को की नियुक्ति को आदिवासी क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। इससे कार्यकर्ताओं में उत्साह है, लेकिन साथ ही यह संकेत भी मिल रहा है कि पार्टी नए समीकरण साधने की दिशा में आगे बढ़ रही है। अनूपपुर की राजनीति अब चौराहे पर खड़ी है कि एक तरफ अनुभव का भरोसा, दूसरी तरफ बदलाव की मांग है। अब देखना यह है कि भाजपा जनता की नब्ज पकड़ती है या फिर परंपरा के सहारे ही चुनावी रण में उतरती है।

कलेक्टर की पहल पर अकरम इंडेन गैस एजेंसी ने पसान क्षेत्र में शुरू की गैस की सप्लाई

क्षेत्र के लोगों ने कलेक्टर के प्रति व्यक्त किया आभार

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। अकरम इंडेन गैस एजेंसी के द्वारा की जा रही मनमानी के विरुद्ध नगर पालिका परिषद पसान क्षेत्र के लोगों आवाज उठाई और खबर प्रशासन के बाद कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल कार्यवाही के निर्देश जारी किए। नगर पालिका परिषद पसान वार्ड नंबर 3 की पार्षद श्रीमती सविता रूपेश सिंह, वार्ड नंबर 18 के पार्षद इंद्रलाल केवट और भाजपा महिला नेत्री श्रीमती मीनू तिवारी के द्वारा अकरम इंडेन गैस एजेंसी के द्वारा लंबे समय से क्षेत्र में गैस की सप्लाई न किए जाने तथा मनमानी तरीके से कोतमा में कार्यालय का संचालन किया जाने और पसान क्षेत्र के उपभोक्ताओं को नजरअंदाज किए जाने की शिकायत की गई। शिकायत को समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया जिसके बाद कलेक्टर हर्षल पंचोली के द्वारा गैस एजेंसी को उपभोक्ताओं के सुविधा के अनुसार कार्य करने के सख्त निर्देश दिए गए। कलेक्टर की पहल पर 22 मार्च से पसान क्षेत्र में अकरम इंडेन गैस एजेंसी का वाहन सड़कों पर दौड़ता नजर आया और गैस एजेंसी के द्वारा अपना कार्यालय भी प्रारंभ कर दिया गया है इसके बाद उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली है। कलेक्टर के प्रति क्षेत्र के लोगों ने आभार व्यक्त किया है।

बस स्टैंड पर बंद सुलभ कॉम्प्लेक्स, पानी न देने पर नगर पालिका घिरी, यात्रियों को मिली शर्मनाक सजा

मध्यप्रदेश के अनूपपुर बस स्टैंड में हालात बदतर हो चुके हैं। नगर पालिका की लापरवाही के चलते पानी आपूर्ति बंद है और सुलभ कॉम्प्लेक्स ताले में जकड़ा पड़ा है। रोजाना सैकड़ों यात्री यहां बुनियादी सुविधा के लिए भटक रहे हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठा है और यात्रियों की परेशानी किसी को दिखाई ही नहीं दे रही हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर बस स्टैंड की यह तस्वीर किसी छोटे कस्बे की मजबूरी नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की नाकामी का जीता-जागता उदाहरण है। जहां सरकार स्वच्छता और जनसुविधा के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं जमीनी हकीकत यह है कि यात्रियों को शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा तक नसीब नहीं हो रही। नगर पालिका द्वारा पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई, और उसके साथ ही सुलभ कॉम्प्लेक्स पर ताला लग गया। सवाल यह है कि जब पता था कि पानी के बिना यह सुविधा नहीं चल सकती, तो फिर व्यवस्था क्यों नहीं की गई हैं? सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि जिम्मेदारी से बचने के लिए ठेकेदार को दोषी ठहराने की कोशिश की जा रही है, जबकि असल में पूरी विफलता नगर पालिका की है।यह सिर्फ एक सुविधा बंद होने का मामला नहीं, बल्कि यात्रियों के सम्मान और स्वास्थ्य से खिलवाड़ है। अब यह स्थिति लापरवाही से आगे बढ़कर संवेदनहीनता की हद तक पहुंच चुकी है।

टैक्स पूरा, सुविधा जीरो

नगर पालिका हर साल जनता से टैक्स और शुल्क वसूलने में कोई कमी नहीं छोड़ती, लेकिन जब बारी आती है सुविधा देने की, तो पूरा सिस्टम फेल नजर आता है। बस स्टैंड जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर पानी तक उपलब्ध नहीं कराना सीधी-सीधी प्रशासनिक विफलता है।यह वही नगर पालिका है जो योजनाओं के नाम पर कागजों में विकास दिखाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर यात्रियों को शौचालय तक नसीब नहीं हो रहा हैं।यह सवाल अब आम जनता पूछ रही है कि क्या टैक्स सिर्फ वसूली के लिए है और सुविधाएं देना किसी की जिम्मेदारी नहीं?

महिलाओं और बुजुर्गों के साथ अन्याय

बस स्टैंड पर सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को झेलनी पड़ रही है। लंबी यात्रा के दौरान जब शौचालय बंद मिले, तो स्थिति कितनी असहज होती है, इसका अंदाजा जिम्मेदारों को शायद नहीं है। यह केवल असुविधा नहीं, बल्कि सम्मान का भी मुद्दा है। नगर पालिका की इस लापरवाही ने यह साबित कर दिया है कि आम जनता की बुनियादी जरूरतें उनके लिए कोई मायने नहीं रखतीं हैं।

जिम्मेदारी से भागता प्रशासन

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सच यह है कि ठेकेदार नहीं, बल्कि नगर पालिका खुद जिम्मेदार है। पानी देना उनका काम था, लेकिन वही नहीं किया गया हैं। फिर भी जिम्मेदार अधिकारी चुप हैं, कोई जवाब नहीं, कोई कार्रवाई नहीं। यह चुप्पी बताती है कि या तो सिस्टम पूरी तरह लापरवाह हो चुका है या फिर जिम्मेदारी लेने की हिम्मत ही नहीं बची। अगर यही हाल रहा, तो जनता का भरोसा पूरी तरह खत्म होना तय है। अनूपपुर बस स्टैंड आज एक सवाल बनकर खड़ा हैक्या विकास सिर्फ भाषणों में होगा, या जमीन पर भी दिखेगा? जब पानी तक नहीं दे पा रहे, तो सुविधाओं की बात करना भी शर्मनाक है।

नपा अनूपपुर पर गंभीर आरोप, 181 शिकायत बिना निराकरण के बंद

10 मीटर नाली के लिए 15 लाख का एस्टीमेट

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय की नगर पालिका परिषद एक बार फिर कार्यप्रणाली को लेकर सवालों के घेरे में है। वार्ड क्रमांक 9 के भूमि स्वामी के पुत्र भगवान दास मिश्रा ने आरोप लगाया है कि उनकी जमीन (खसरा नंबर 835) में नगर का निस्तारण पानी वर्षों से डाला जा रहा है, जिससे उनकी भूमि तालाब में तब्दील हो गई है। पीड़ित के अनुसार, इस समस्या को लेकर उन्होंने कई वर्षों से मौखिक शिकायतें कीं, लेकिन हर बार सीएमओ द्वारा नाली निर्माण का आश्वासन देकर मामला टाल दिया गया। मजबूर होकर उन्होंने 12 फरवरी को सीएम हेल्पलाइन 181 में शिकायत क्रमांक 36720014 दर्ज कराई। मिश्रा का कहना है कि शिकायत दर्ज होने के बाद भी कोई स्थलीय कार्यवाही नहीं की गई। उल्टा नगर पालिका के इंजीनियर श्री पांडेय द्वारा फोन कर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया और नाली निर्माण का भरोसा दिया गया। जब शिकायतकर्ता ने कहा कि मात्र 10 मीटर पक्की नाली बना देने से समस्या का समाधान हो जाएगा, तब भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। आरोप है कि बाद में शिकायत को जबरन बंद कर दिया गया और यह कहा गया कि 20 तारीख तक ग्रेडिंग है, उसके बाद दोबारा शिकायत कर देना।

40-50 हजार के काम को बताया 15 लाख

मामले में सबसे चौंकाने वाली बात तब सामने आई जब सीएम हेल्पलाइन से संपर्क करने पर जानकारी मिली कि नगर पालिका द्वारा इस कार्य के लिए 15 लाख रुपये से अधिक का एस्टीमेट दर्शाया गया है, जिसे परिषद की बैठक में स्वीकृति के बाद ही कार्य होगा। जबकि शिकायतकर्ता का कहना है कि 10 मीटर नाली निर्माण का खर्च अधिकतम 40 से 50 हजार रुपये ही हो सकता है। ऐसे में लाखों का एस्टीमेट दिखाना गंभीर अनियमितता और योजना के दुरुपयोग की ओर इशारा करता है।

सीएम हेल्पलाइन योजना पर उठे सवाल

इस पूरे घटनाक्रम ने मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी सीएम हेल्पलाइन 181 योजना की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बिना समाधान के शिकायत बंद करना और आंकड़ों में हेरफेर कर मामले को दबाने की कोशिश करना, आम जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाने वाला है। पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो शीघ्र नाली निर्माण कर समस्या का समाधान किया जाए अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले को कितना संज्ञान में लेता है और आम नागरिक को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

अनूपपुर में तीन दिवसीय नाट्य समारोह का आयोजन, महिला समिति की अगुवाई विशेष आकर्षण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय जन नाट्य संघ इकाई अनूपपुर द्वारा तीन दिवसीय नाट्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह 3, 4 और 5 अप्रैल को अमरकंटक रोड स्थित बेथेल मिशन हायर सेकेंड्री स्कूल में संपन्न होगा। समारोह की सबसे खास बात यह है कि इस बार आयोजन की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं की आयोजन समिति ने संभाली है, जो न केवल अनूपपुर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक सराहनीय पहल मानी जा रही है। समारोह के पहले दिन 3 अप्रैल को अशोकनगर की जनसंगीत की प्रस्तुति के साथ इलाहाबाद से आए कलाकारों द्वारा 'असमंजस बाबू' नाटक का मंचन किया जाएगा।

दूसरे दिन 4 अप्रैल को प्रसिद्ध फिल्म एवं रंगमंच अभिनेता राजेंद्र गुप्ता की विशेष प्रस्तुति होगी, जिसमें वे चर्चित कवि धूमिल की कविता-पटकथा पर आधारित नाटक प्रस्तुत करेंगे। दूसरे दिन के मुख्य आकर्षण के रूप में राजेंद्र गुप्ता की प्रस्तुति विशेष महत्व रखती है। वे भारतीय रंगमंच, टेलीविजन और सिनेमा के एक वरिष्ठ एवं बहुमुखी अभिनेता हैं, जिन्होंने अपने सशक्त अभिनय से दशकों तक दर्शकों के बीच गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत थिएटर से की और बाद में टीवी तथा फिल्मों में भी उल्लेखनीय पहचान बनाई। टेलीविजन की दुनिया में राजेंद्र गुप्ता ने कई लोकप्रिय धारावाहिकों में काम किया है, जिनमें चंद्रकांता, ये उन दिनों की बात है और बालिका वधू जैसे चर्चित शो शामिल हैं, जहाँ उन्होंने अपनी प्रभावशाली संवाद अदायगी और सहज अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। फिल्मों में भी उन्होंने कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं, जिनमें उनके किरदार हमेशा यथार्थ के करीब और यादगार रहे। रंगमंच के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी उतनी ही मजबूत है, और वे लगातार नाटकों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को मंच पर जीवंत करते रहे हैं। इस समारोह में वे चर्चित कवि धूमिल की कविता-पटकथा पर आधारित नाटक प्रस्तुत करेंगे, जो अपने तीखे सामाजिक व्यंग्य और यथार्थवादी दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। उनकी प्रस्तुति निश्चित रूप से दर्शकों के लिए एक विचारोत्तेजक और यादगार अनुभव साबित होगी। तीसरे दिन 5 अप्रैल को जबलपुर से आए 'विवेचना' समूह द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित नाटक 'बहत्तर मील' का मंचन किया जाएगा।

इस आयोजन समिति की अध्यक्ष पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पल्लविका पटेल हैं, जबकि महासचिव के रूप में श्रीमती लक्ष्मी खेडिया जिम्मेदारी निभा रही हैं। कोषाध्यक्ष के रूप में डॉ. श्रद्धा सोनी अपनी भूमिका अदा कर रही हैं। इसके अलावा महिला समिति में अनु शर्मा, बिंदू सिंह, तृप्ति ठाकुर, पूनम रात्रे, डॉक्टर करुणा सोनी, निरुपमा पटेल सहित शहर की अनेक महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई है। सभी महिलाएं मिलकर इस आयोजन को सफल और प्रभावी बनाने में जुटी हुई हैं। इस नाट्य समारोह का मुख्य उद्देश्य कला और संस्कृति को संरक्षित करना तथा समाज को रंगमंच से जोड़ना है। आयोजकों का मानना है कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलता है और सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा मिलती है। यह आयोजन न केवल अनूपपुर के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए सांस्कृतिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा।

नोटिस में 3 दिन के अंदर मांगा जवाब

मंडल अध्यक्ष के वायरल ऑडियो मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारतीय जनता पार्टी के अनूपपुर मंडल अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी से जुड़ा एक वायरल ऑडियो इन दिनों जिले से लेकर प्रदेश भर के मीडिया, सोशल मीडिया के साथ आमजन मानस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पक्ष, विपक्ष में बैठे लोग भारतीय जनता पार्टी की सरकार एवं सत्ता, संगठन के जिम्मेदारों की कार्यशैली पर विभिन्न तरह के आरोप, प्रत्यारोप व कयास लगाते हुए देखे जा रहे। इतना ही नहीं मंडल अध्यक्ष के इस घिनौने कृत्य से जहां एक ओर पार्टी के ऊपर कालिख लग रही वहीं दूसरी ओर भाजपा के प्रति आमजन मानसिक विश्वास उठता हुआ दिखाई दे रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने मंडल अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि वायरल ऑडियो में एक महिला के ट्रांसफर के नाम पर 40,000 की राशि लेने और इसके बावजूद कार्य न कराने के साथ मप्र के भाजपा सरकार के मंत्री अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार को अमर्यादित भाषा का उपयोग करते हुए कलेक्टर अनूपपुर को भी अमर्यादित ट्रीट किए जाने के आरोप सामने आए हैं। साथ ही ऑडियो में सत्ताधारी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों, प्रभारी मंत्री और कलेक्टर के संदर्भ में आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल जनहित में तरह तरह के सवाल खड़े कर रहे को मद्देनजर रखते हुए मामले को संज्ञान में लेकर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने 21 मार्च को कारण बताओ नोटिस जारी कर मंडल अध्यक्ष से तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। नोटिस में वायरल ऑडियो की सत्यता और आरोपों पर स्पष्ट जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। भाजपा संगठन ने इस मामले को गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में रखा है और स्पष्ट किया है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि मंडल अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी इस नोटिस का क्या जवाब देते हैं और संगठन आगे क्या रुख अपनाता है। यह मामला क्षेत्रीय राजनीति में चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

कोल इंडिया के कर्मचारी मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में करा सकेंगे कैंसर का इलाज

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

कोल इंडिया में कार्य करने वाले कर्मचारियों व पेंशनधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में लिये गये फैसले के अनुसार मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल तथा- नेशनल कैंसर सेंटर में कैंसर उपचार पर होने वाला पूरा खर्च अब वास्तविक-आधार पर प्रतिपूर्ति (रिम्बर्समेंट) किया-जायेगा। इससे संबंधित अधिसूचना कोल इंडिया की ओर से जारी कर दी गयी है। इस सुविधा में कैंसर इलाज के सभी मानक घटक शामिल होंगे। इसमें परामर्श, जांच, इमेजिंग, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और सर्जरी जैसे उपचार शामिल हैं। हालांकि, प्रतिपूर्ति के लिए यह जरूरी होगा कि इलाज टाटा मेमोरियल अस्पताल द्वारा प्रमाणित हो और स्वीकृत ऑन्कोलॉजी प्रोटोकॉल के तहत किया गया हो। यह सुविधा सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके आश्रितों पर भी लागू होगी। मध्यप्रदेश में कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड का शहडोल संभाग में शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, जिले में कोयला उत्खनन का कार्य किया जाता है। जिसमें हजारों की संख्या में कर्मचारी, अधिकारी, कार्यरत हैं जिन्हें इसका लाभ अवश्य मिलेगा।

चौकी फुनगा द्वारा अवैध रेत खनन कर परिवहन करते ट्रेक्टर ट्राली को किया गया जप्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, अति. पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं अनु अधि. कोतमा नवीन तिवारी के मार्ग दर्शन में चौकी फुनगा पुलिस द्वारा अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही की गई। जिसमें 22 मार्च को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि 01 नीले रंग का पावरट्रक ट्रेक्टर ट्रोली अवैध रेत खनिज कठना नदी से चोरी कर परिवहन कर कठना नदी तरफ से ग्राम बम्हनी तरफ आ रहा है। सूचना को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्परता से फुनगा पुलिस द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर जाकर पुलिस एवं गवाहों की मदद से ट्रेक्टर को रोका गया। मुखबिर के पहचान के आधार पर नीले रंग का पावरट्रक ट्रेक्टर पाया गया। ट्रेक्टर का चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम तेजभान बैगा पिता बिहानू बैगा उम्र 26 वर्ष निवासी झिरिया थाना बुढ़ार का बताया तथा ट्रेक्टर मालिक का नाम पता पूछने पर पुष्पेंद्र साहू पिता भैया लाल साहू निवासी झरिया थाना बुढार का होना बताया। ट्रेक्टर ट्रोली में लोड रेत के संबंध में दस्तावेज मांगने कोई भी वैध दस्तावेज ना होना एवं स्वयं का ड्राइविंग लाइसेंस होना नही बताया है एवं ट्रोली मे लोड रेत के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर कठना नदी से रेत लोड कर बम्हनी मे विक्रय करने हेतु ले जाना बताया। ट्रोली में 03 घन मीटर रेत कीमती 3,000 रू. व ट्रेक्टर टॉली कीमती 700000 कुल मशरूका 703000 रुपये को गवाहों के समक्ष जप्त किया गया है। आरोपीयों के विरूद्ध धारा 303(2), 317(5) बीएनएस,3/181,5/180 व 4/21 खान खनिज अधिनियम की धाराओं में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। उनि सोने सिंह परस्ते चौकी प्रभारी, प्रआर सूर्यभान सिंह एवं आर. वीर सिंह की अहम भूमिका रही।